राज्यपाल सचिवालय, विहार
राजभवन, पटना–800022
प्रेस–विज्ञप्ति

शिक्षा मनुष्य को नैतिक मूल्यों और सिद्धांतों के प्रति आस्थावान बनाती है–राज्यपाल

पटना, 03 दिसम्बर 2017

''शिक्षा से बढ़कर दुनियाँ में कोई ताकत नहीं। एक शिक्षित इंसान बेहतर ढंग से किसी भी विषय पर सोच–समझ और निर्णय ले सकता है। शिक्षा मनुष्य को नैतिक मूल्यों और सिद्धान्तों के प्रति आस्थावान भी बनाती है।'' –उक्त उद्‌गार, बिहार के राज्यपाल–सह–कुलाधिपति श्री सत्य पाल मलिक ने स्थानीय बापू सभागार में आयोजित पटना विश्वविद्यालय के वार्षिक शताब्दी 'दीक्षांत समारोह' को अध्यक्षीय पद से सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। अपने मार्मिक सम्बोधन के दौरान राज्यपाल ने कहा कि वे जब डेढ़ वर्ष के थे, तभी उनसे पिता की छत्र–छाया छीन गई। बाद की जिन्दगी में उनकी मददगार सिर्फ स्कूलों और कॉलेजों में मिली शिक्षा ही साबित हुई। उन्होंने कहा कि कॉलेजों में बिताए उनके दिन अविस्मरणीय हैं।

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि वही मुल्क तरक्की करते हैं, जो तालीम को सबसे ज्यादा तवज्जो देते हैं। राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा किसी भी राष्ट्र या प्रदेश के लिए प्राणवायु (ऑक्सीजन) की तरह होती है। कोई भी मुल्क आतंकी गतिविधियों, सैनिक–पराजय या रॉकेटों के बल–बूते नष्ट नहीं किया जा सकता, बल्कि वह संकटग्रस्त तभी होता है, जब वहाँ की शिक्षा–व्यवस्था छिन्न–भिन्न हो जाए। 'द्वितीय विश्वयुद्ध' के समय, ब्रिटेन ने विभिन्न प्रक्षेत्रों के सालाना बजट में कमी कर दी थी, परन्तु उसने शिक्षा के अपने बजट में कोई कमी नहीं की थी। ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री का तब कहना था कि पुल, मकान, सड़कें, फैक्ट्रियाँ आदि तो दुबारा बन सकती हैं, परन्तु शिक्षा–बजट में कमी करने पर एक पूरी पीढ़ी बर्बाद हो जायेगी और मुल्क तबाह हो जायेगा। राज्यपाल ने कहा कि उच्च शिक्षा के क्षेत्र में केन्द्र एवं राज्य सरकार निरन्तर अपने नवाचारी प्रयोगों के माध्यम से ज्ञान–विज्ञान के नये क्षितिज का विस्तार कर रही हैं।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले दिनों राजभवन में कुलपतियों की एक बैठक बुलाकर राज्य में उच्च शिक्षा के विकास के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय लिये गये हैं। उन्होंने कहा कि एकेडमिक एवं इग्जामिनेशन कैलेण्डर का पूर्ण परिचालन, बायोमैट्रिक प्रणाली के जरिये शिक्षकों–छात्रों की उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए नियमित वर्ग–संचालन, सभी कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों के भवनों में 'गर्ल्स कॉमन रूम' एवं 'वाश रूम' की व्यवस्था, छात्रसंघ का चुनाव 15 जनवरी, 2018 तक कराने, खेलकूद एवं सांस्कृतिक आयोजनों के भी वार्षिक कैलेण्डर तैयार करने –जैसे निर्णय लेकर इनका अनुपालन सुनिश्चित कराने के प्रति सबने प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

लगातार.....पेज...2...

राज्यपाल ने पटना विश्वविद्यालय के गौरवमय इतिहास का स्मरण करते हुए उम्मीद जाहिर की कि विश्वविद्यालय आधुनिक ज्ञान–विज्ञान की जरूरतों के मुताबिक अपनी शिक्षा–व्यवस्था को पूर्ण विकसित करेगा। उन्होंने लाइब्रेरी, ऑडोटोरियम, जिमखाना, अतिथिगृह के विस्तार, नये प्रेक्षागृह एवं छात्रावास के निर्माण सहित शुरू किए जानेवाले नये कार्यक्रमों को निश्चित समयावधि में पूरा करने के लिए तत्पर होने को कहा तथा यह विश्वास दिलाया कि राज्य सरकार एवं राज्यपाल सचिवालय भी विकास–कार्यों में विश्वविद्यालय की हरसंभव सहायता करेंगे।

राज्यपाल श्री मलिक ने 'दीक्षांत–समारोह' में उपाधि प्राप्त करनेवाले विद्यार्थियों एवं विश्वविद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं को बधाई दी। उन्होंने कुलपति, अभिषद्–अधिषद् सदस्यों, संकायाध्यक्षों, सभी शिक्षकों एवं विश्वविद्यालयीय पदाधिकारियों आदि को भी शुभकामनाएँ दी।

दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए गोवा की राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा ने कहा कि युवा विद्यार्थी ही भारत–निर्माण के स्वप्न को पूरा कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने माता–पिता को वृद्धाश्रम नहीं भेजने, छोटी–छोटी बातों पर वैवाहिक सम्बन्ध–विच्छेद नहीं करने, महिलाओं के विरूद्ध होनेवाले अत्याचार रोकने तथा स्वच्छता के प्रति सजग–सचेष्ट रहने के लिए संकल्पित होने का आह्वान किया।

पटना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो॰ रासबिहारी प्रसाद सिन्हा ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों एवं भविष्य में विकास की रूपरेखा पर प्रकाश डाला।

दीक्षांत–समारोह में बिहार के राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक एवं गोवा की राज्यपाल श्रीमती मृदुला सिन्हा ने पटना विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के बीच डिग्री/उपाधि/मेडल का वितरण भी किया।

समारोह में पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ॰ राम कृपाल सिन्हा, प्रतिकुलपति प्रो॰ डॉली सिन्हा, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री ब्रजेश मेहरोत्रा, कुलसचिव प्रो॰ रवीन्द्र कुमार सहित संकायाध्यक्ष, शिक्षकगण, छात्रगण, अभिभावकगण आदि भी उपस्थित थे।

.....